पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग उत्तर प्रदेश

गोबर आधारित तकनीकों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई दिशा : उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग की विशेष हाइब्रिड बैठक संपन्न

लखनऊ : 26 मई, 2026

माननीय श्री श्याम बिहारी गुप्ता, अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग की अध्यक्षता में आज गोबर आधारित तकनीकी रूप से परिष्कृत जैविक खाद, बायो–पेस्टिसाइड एवं बायोगैस ऊर्जा विषयक एक विशेष हाइब्रिड बैठक का सफल आयोजन किया गया। बैठक में गोबर आधारित वैज्ञानिक तकनीकों के माध्यम से कृषि, ऊर्जा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, प्राकृतिक खेती एवं रोजगार सृजन के नए आयामों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के माननीय सदस्य श्री राजेश सिंह सेंगर एवं श्री रमाकांत उपाध्याय की गरिमामयी उपस्थिति भी रही।

मुख्य अतिथि डॉ. सपना पोती (निदेशक, सामरिक गठबंधन प्रभाग, कार्यालय – भारत के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार, नई दिल्ली) ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि "मंथन" एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो देशभर के नवप्रवर्तकों (Innovators) के लिए एक खुला मंच प्रदान करता है, जहां विभिन्न तकनीकों एवं नवाचारों को साझा कर व्यापक स्तर पर समाधान विकसित किए जा सकते हैं।

उन्होंने "अमृत" प्लेटफॉर्म के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह एक ऐसा राष्ट्रीय मंच है, जहां गांवों की आवश्यकताओं एवं समस्याओं को पहले दर्ज किया जाता है तथा उसके उपरांत भारत सरकार द्वारा उन आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीकों का चयन किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस प्लेटफॉर्म से देश के विभिन्न मंत्रालयों एवं राज्यों को जोड़ा गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एकीकृत एवं प्रभावी समाधान उपलब्ध कराए जा सकें।

डॉ. सपना पोती ने आगे बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर RSVC (Rural Smart Village Centres) प्रारंभ किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य गांवों को स्मार्ट एवं आत्मनिर्भर मॉडल के रूप में विकसित करना है। उन्होंने जानकारी दी कि इस पहल की शुरुआत आंध्र प्रदेश, पंजाब एवं कर्नाटक में की जा चुकी है। इस मॉडल के अंतर्गत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) तथा अन्य सरकारी योजनाओं को समाहित कर ग्रामीण विकास को नई गति प्रदान की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि गौशाला आधारित तकनीकों के क्षेत्र में अनेक समाधान उपलब्ध हैं, जिनका परीक्षण एवं वैधीकरण भी किया जा चुका है।

इस अवसर पर सुश्री कविता तिवारी (प्रोग्राम स्पेशलिस्ट, सामरिक गठबंधन प्रभाग, कार्यालय – भारत के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार, नई दिल्ली) ने गोबर आधारित उत्पादों एवं ग्रामीण आजीविका से जुड़े विभिन्न मॉडल एवं संभावनाओं पर अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए।

बैठक में डॉ. एस.पी. वर्मा की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही। उन्होंने बताया कि पीलीभीत जनपद के देवीपुरा गौशाला में श्री अनुराग शर्मा के सहयोग से गोबर आधारित बायो–स्टिमुलेंट निर्माण संयंत्र स्थापित किया गया है, जिससे गौशाला द्वारा राजस्व सृजन भी किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त गौवंश के पोषण हेतु हाइड्रोपोनिक तकनीक के माध्यम से हरे चारे का उत्पादन भी किया जा रहा है, जो गौशालाओं के लिए एक व्यावहारिक एवं टिकाऊ मॉडल के रूप में उभर रहा है।

बैठक के दौरान श्री पी.एस. ओझा सहित अन्य विशेषज्ञों एवं प्रतिभागियों ने विचार–विमर्श करते हुए इस बात पर विशेष बल दिया कि गोबर को केवल पारंपरिक संसाधन के रूप में न देखकर उसे ग्रामीण समृद्धि, प्राकृतिक कृषि, जैविक उत्पादन, तकनीकी नवाचार एवं आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा से जोड़ना समय की आवश्यकता है।

बैठक में यह सर्वसम्मति बनी कि गोबर आधारित तकनीकों का प्रभावी उपयोग न केवल गौसंरक्षण को नई दिशा प्रदान करेगा, बल्कि गांवों को आत्मनिर्भर, रोजगारपरक, पर्यावरण–अनुकूल एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सम्पर्क सूत्र– निधि वर्मा

राम यतन/04:20 PM

फोन नम्बर Direct : 0522–2239023 ई0पी0बी0एक्स0 : 0522–2239132,33,34,35 एक्सटेंशन : 223 224 225
फैक्स नं0 : 0522–2237230 0522–2239586 ई–मेल : upsoochna@gmail.com,
वेबसाइट :www.information.up.gov.in